AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि स्कोर के बारे में उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन

लता कुमारी, प्रोफ. (डॉ.) आर. के. एस अरोडा
शोधार्थिनी, शिक्षा विभाग, भगवन्त विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत
प्रोफ., शिक्षा विभाग, भगवन्त विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER / ARTICLE, HERE BY DECLARE THAT THEPAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINEPAPER. IF ANY ISSUEREGARDING COPYRIGHT/PATENT/OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHER WILL NOT BELEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENTFROM THE JOURNAL WEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT/OR ANY TECHNICALISSUEWITHNO VISIBILITY ON WEBSITE/UPDATES, IHAVE RESUBMITTED THIS PAPER FORTHE PUBLICATION. FOR ANY PUBLICATION MATTERSORANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDEN BY ME OR OTHERWISE, ISHALL BELEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATIONOF THE AUTHOR AT THELAST PAGE OF THIS PAPER/ARTICLE

सारांश

आज की दुनिया में, शिक्षा एक आवश्यकता है और इसी कारण से, इसने भविष्य की योजनाओं में, विशेषकर युवाओं के लिए, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। शैक्षिक प्रक्रिया के दौरान लोग विभिन्न प्रतिस्पर्धी बाजारों में कार्य करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक कौशल और दक्षता हासिल करते हैं। शिक्षा का उच्च स्तर उच्च आय, अधिक प्रतिष्ठित करियर, बेरोजगारी का कम जोखिम और बेहतर कल्याण से जुड़ा है। शिक्षा भारत की नई पीढ़ी को सामान्य तौर पर एक विकासशील प्रणाली की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा, वास्तविक अर्थों में मानवता को मानवीय बनाना तथा जीवन को प्रगतिशील, सुसंस्कृत एवं सभ्य बनाना है। यह शिक्षा के माध्यम से है कि एक व्यक्ति अपनी सोच और तर्क, समस्या समाधान और रचनात्मकता, बुद्धि और योग्यता, सकारात्मक भावना और कौशल, अच्छे मूल्यों और दृष्टिकोण को विकसित कर सकता है। किसी व्यक्ति की आकांक्षाओं का स्तर एक महत्वपूर्ण प्रेरक कारक है। यह संदर्भ का एक ढाँचा है जिसमें आत्म–सम्मान या वैकल्पिक रूप से अनुभव शामिल होता है जो विफलता या सफलता की भावना है। वर्तमान अध्ययन में, अन्वेषक ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं और उपलब्धि अंकों के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाने का प्रयास किया है।

मुख्यशब्द: शैक्षिक आकांक्षाएं, उपलब्धि स्तर, आत्म–सम्मान, शिक्षा, बुद्धि और योग्यता

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

परिचय

शैक्षिक आकांक्षा स्वयं के लिए शैक्षिक लक्ष्यों और व्यक्तिगत सेटों को प्रतिबिंबित करती है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्तियों को उन्हें हासिल करने के लिए प्रोत्साहित और ऊर्जावान बनाता है। छात्रों की आकांक्षाओं के निर्माण में शिक्षा एक महत्वपूर्ण चर है क्योंकि यह छात्रों को दुनिया के बारे में अधिक जानकारी देने, इसके प्रति अपने संबंधों के बारे में अधिक संवेदनशील और समझने और समुदाय में योगदान करने के लिए अधिक उत्सुक बनने में मदद करती है। आकांक्षाएं बच्चे में जल्दी आकार लेना शुरू कर देती हैं। का जीवन, लेकिन अनुभव और पर्यावरण द्वारा संशोधित होता है। जैसे–जैसे बच्चे दुनिया के बारे में अपनी बढ़ती समझ और पिछले विकल्पों और उपलब्धियों द्वारा लगाई गई बाधाओं के कारण परिपक्व होते हैं, आकांक्षाएं कम होने लगती हैं। आकांक्षा का अर्थ है कुछ ऊंचा या महान हासिल करने की तीव्र इच्छा। हालाँकि, आकांक्षाएँ आमतौर पर किसी उच्च या महान चीज की उपलब्धि नहीं हो सकतीं। ये वर्तमान और भविष्य दोनों परिप्रेक्ष्यों को भी संबोधित करते हैं। सिरिन, डायमर, जैक्सन और हॉवेल (2004) के अनुसार, आकांक्षाओं को शैक्षिक और व्यावसायिक सपनों के रूप में परिभाषित किया गया है जो छात्रों के भविष्य के लिए हैं।

शैक्षिक उपलब्धि

विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन में शैक्षणिक उपलब्धि को एक महत्वपूर्ण कारक माना गया है। यह छात्रों को कड़ी मेहनत करने और अधिक सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र में प्राथमिक चिंता बनी हुई है। स्कूल में उच्च शैक्षणिक उपलब्धि से आत्म–सम्मान और आत्मविश्वास पैदा होता है जिससे समूह के साथ बेहतर समायोजन होता है।

शैक्षणिक उपलब्धि में विभिन्न कारकों का योगदान होता है। शैक्षणिक तनाव और आत्म–अवधारणा इन कारकों में से एक हैं। शैक्षणिक तनाव बाद के स्कूल प्रदर्शन की भविष्यवाणी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और शैक्षणिक खतरों, शारीरिक और मानसिक तनाव रोगों दोनों की समस्याओं के नकारात्मक भविष्यवक्ता के रूप में कार्य करता है। तनाव आगामी स्कूल प्रदर्शन की भविष्यवाणी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और स्कूली बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन के नकारात्मक भविष्यवक्ता के रूप में कार्य करता है।

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

शैक्षिक आकांक्षाएँ

सभी व्यक्तियों की कुछ आकांक्षाएँ होती हैं। जीवन के सभी चरणों में लोग आत्म–उन्नति के लिए प्रयास करते हैं। विद्यार्थी काल की आकांक्षाएँ उनके व्यवहार को प्रभावित करती हैं। शैक्षिक आकांक्षा या व्यावसायिक विकल्प शब्द गुणों के ज्ञान पर आधारित है। किसी व्यक्ति की आकांक्षाओं का स्तर एक महत्वपूर्ण प्रेरक कारक है। यह आत्म–सम्मान या वैकल्पिक रूप से अनुभवों से जुड़ा एक संदर्भ है जो विफलता या सफलता की भावना है।

शैक्षिक आकांक्षा के तीन समूह हैं: पृष्ठभूमि कारक, व्यक्तिगत कारक और पर्यावरणीय कारक। पृष्ठभूमि कारकों में उम्र, लिंग, सामाजिक–आर्थिक स्थिति और पारिवारिक संरचना जैसी सामाजिक और जनसांख्यिकीय विशेषताएं शामिल हैं। व्यक्तिगत कारक प्रकृति में मनोवैज्ञानिक है और शिक्षा, स्कूल और काम के प्रति एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण से बना है। पर्यावरणीय कारकों में माता–पिता की भागीदारी जैसे सामाजिक समर्थन के पहलू शामिल हैं, जो व्यक्ति को प्रभावित करते हैं।

साहित्य की समीक्षा

प्रकाश, वी. (1994) ने जांच की कि समृद्ध स्कूल वातावरण से संबंधित छात्र सभी तीन समूहों में खराब वातावरण वाले अपने समकक्षों की तुलना में सामाजिक मूल्य पर काफी अधिक थे। गुप्ता, वी. (1998) ने पहले और माध्यमिक विद्यालय के प्रशिक्षुओं की आत्म अवधारणा और आकांक्षा के स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन किया। शिक्षण अभ्यास के बाद. यह पाया गया कि शिक्षण अभ्यास के बाद छात्रों की आकांक्षा का उच्च स्तर 18: से बढ़कर 30: हो गया। लिंग आधारित तुलना से पता चलता है कि आत्म अवधारणा और आकांक्षा के स्तर के बीच विपरीत संबंध था, क्योंकि पुरुष आत्म अवधारणा में अच्छे थे और महिलाएं अच्छी थीं। आकांक्षाओं के स्तर पर. कल्लूरी और राव डी. भास्कर (2000) ने पता लगाया कि लिंग, सीखने का माध्यम, स्कूली शिक्षा का स्तर और उम्र शहरी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकते हैं। बुचमैन, क्लैंडिया और डेटान। बेन (2002) ने 12 देशों में पारस्परिक प्रभावों और शैक्षिक आकांक्षाओं पर एक अध्ययन किया और अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अपेक्षाकृत अविभाजित माध्यमिक स्कूली शिक्षा वाले देशों में सहकर्मी और माता–पिता शैक्षिक आकांक्षाओं को प्रभावित करते हैं, जबकि अधिक वाले समाजों में शैक्षिक आकांक्षाओं का प्रभाव नगण्य है। विभेदित माध्यमिक शिक्षा। सेगिनर, राचेल

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

और वर्मुल्स्ट, विज्ञापन। (2003) ने शैक्षिक आकांक्षाओं और शैक्षणिक उपलब्धि, पारिवारिक पृष्ठभूमि और शैक्षणिक उपलब्धि के प्रभाव को देखने के लिए एक अध्ययन किया, ताकि दो सांस्कृतिक यानी इजरायली अरब और इजरायली यहूदियों में शैक्षिक आकांक्षाओं का प्रभाव देखा जा सके। यह पाया गया कि अप्रत्यक्ष पारिवारिक पृष्ठभूमि, शैक्षणिक उपलब्धि पथ ने केवल अरब किशोरों के माध्यम से लिंग अंतर दिखाया। लड़कियों के लिए शैक्षिक आकांक्षाएं और लड़कों के लिए माता–पिता की मांग और माता–पिता की मांग सीधे तौर पर अरब लड़कों और यहूदी किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि से संबंधित थी। राथॉन (2011) ने लंदन के वंचित क्षेत्र में शिक्षा आकांक्षा और माध्यमिक शिक्षा की उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच की और पाया कि इच्छा व्यक्त करने के लिए लड़कों की तुलना में लड़कियों की संभावना अधिक थी। 16 वर्ष की आयु के बाद भी शिक्षा में बने रहना और जातीय मतभेद, सामाजिक–मनोवैज्ञानिक परिवर्तन विशेष रूप से आत्म–सम्मान और उच्च शैक्षिक आकांक्षाओं से जुड़े मनोवैज्ञानिक संकट।

अध्ययन का औचित्य और महत्व

युवाओं के बीच शैक्षिक आकांक्षाओं का निर्माण और रखरखाव यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि उच्च शैक्षिक उपलब्धि और कैरियर की सफलता के लिए उच्च शैक्षिक आकांक्षाएं महत्वपूर्ण या आवश्यक हैं। शैक्षिक आकांक्षाओं का माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि माता–पिता अपने बच्चों को इन पुरस्कारों को परिभाषित करने में मदद करते हैं, और उनके समर्थन और प्रेरणा से, छात्रों में उच्च आकांक्षाएं स्थापित होने की संभावना होती है।

आकांक्षाएँ (या अपेक्षाएँ) सामाजिक और शैक्षणिक लक्ष्यों का एक समूह है जो छात्र, माता–पिता, शिक्षक या शिक्षा एजेंसियां छात्र–विशिष्ट वांछित शैक्षिक और कैरियर उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए स्थापित करते हैं। छात्र, अभिभावक और शिक्षक छात्रों के लिए विशिष्ट शैक्षणिक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सहयोग कर सकते हैं, लेकिन उनकी अपनी इच्छा शैक्षिक आकांक्षाएं निर्धारित करती है। शिक्षा मानव जीवन का एक हिस्सा हैय यह पीछा करने वालों की तब तक मदद नहीं कर सकता जब तक कि उनके पास आवश्यक मात्रा में शैक्षिक आकांक्षाएं न हों। व्यक्तियों की आकांक्षाएँ होंगी, जीवन के सभी चरणों में लोग आत्म–वृद्धि के लिए प्रयास करते हैं। विद्यार्थी काल की आकांक्षाएँ उनके व्यवहार को प्रभावित करती हैं। किसी व्यक्ति की आकांक्षा का स्तर उसे न केवल उसी रूप में दर्शाता है, जिस रूप में वह

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

किसी विशेष क्षण में है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वह भविष्य में उसी समस्या में रहना चाहेगा।

जांचकर्ता ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षिक आकांक्षाओं और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की खोज के लिए इस विषय को अध्ययन के लिए चुना है।

समस्या कथन

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि स्कोर के संबंध में उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन।

प्रयुक्त प्रमुख शब्दों की परिचालनात्मक परिभाषाएँ

आकांक्षाए

आकांक्षाएं शब्द वह है जिसे अक्सर लक्ष्यों, महत्वाकांक्षाओं, उद्देश्यों, प्रयोजनों, सपनों, योजनाओं, डिजाइनों, इरादों, इच्छा, लालसाओं, इच्छाओं, चाहतों, लालसाओं आदि के पर्यायवाची के रूप में प्रयोग किया जाता है।

वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं को लेगा।

माध्यमिक विद्यालय

प्राथमिक स्कूल और कॉलेज के बीच मध्यवर्ती छात्रों के लिए एक स्कूलय आमतौर पर कक्षा 9 से 12 तक।

वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों को लेगा।

उपलब्धि स्कोर

उपलब्धि परीक्षण स्कोर का उपयोग अक्सर शैक्षिक प्रणाली में यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि एक छात्र किस स्तर की शिक्षा के लिए तैयार है। उच्च उपलब्धि स्कोर आमतौर पर ग्रेड–स्तरीय सामग्री की महारत और उन्नत निर्देश के लिए तत्परता का संकेत देते हैं। कम उपलब्धि स्कोर सुधार या पाठ्यक्रम ग्रेड को दोहराने की आवश्यकता का संकेत दे सकता है। वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक पिछली कक्षा के छात्रों का प्रतिशत लेगा।

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उनके स्कूल के प्रकार के संबंध में शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उनके लिंग के संबंध में शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि स्कोर के संबंध में उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं के बीच संबंध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

वर्तमान अध्ययन की परिकल्पनाएँ इस प्रकार हैं

- स्कूल के प्रकार के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
- लिंग के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि स्कोर के संबंध में उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है।

अध्ययन का परिसीमन

- वर्तमान अध्ययन केवल पानीपत शहर तक सीमित था।
- वर्तमान अध्ययन केवल माध्यमिक विद्यालय के छात्रों तक सीमित था।
- वर्तमान अध्ययन को केवल 200 छात्रों तक सीमित किया गया था।
- वर्तमान अध्ययन को माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आकांक्षाओं के शैक्षिक पहलू तक सीमित किया गया था।

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

योजना तथा प्रक्रिया

जनसंख्या

अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर, पानीपत शहर के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य के लिए जनसंख्या का गठन किया।

नमूना

वर्तमान अध्ययन में नमूने का चयन करने के लिए स्तरीकृत और सरल यादृच्छिक नमूनाकरण विधि का उपयोग किया गया है।

अध्ययन का डिजाइन

एक शोध डिजाइन डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए स्थिति की एक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रक्रिया में मितव्ययिता के साथ खोज उद्देश्य के लिए प्रासंगिकता में योगदान करना है। सबसे पहले अध्ययन की कुल आबादी (बेगूसराय शहर के स्कूल) को दो स्तरों में विभाजित किया गया थारू सरकारी और निजी स्कूलों को चुना गया और 200 छात्रों को नमूने के रूप में यादृच्छिक रूप से लिया गया (दोनों प्रकार के 100 छात्र)।

उपकरण

वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक ने यास्मीन गनी खान द्वारा दिए गए एक मानकीकृत शोध उपकरण यानी शैक्षिक आकांक्षाओं का स्तर परीक्षण का उपयोग किया।

डेटा संग्रह के लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण

वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक ने यास्मीन गनी खान द्वारा दिए गए एक मानकीकृत शोध उपकरण यानी ष्शैक्षिक आकांक्षाओं का स्तर परीक्षणष् का उपयोग किया।

प्रशासन के लिए उपयोग किया जाने वाला प्रयुक्त उपकरण

अन्वेषक ने बेगूसराय शहर के छात्रों से डेटा एकत्र किया। डेटा एकत्र करने के लिए, अन्वेषक ने छात्र से संपर्क किया और डेटा एकत्र करने के उद्देश्य को समझाया, इससे पहले कि अन्वेषक को अच्छा समर्थन मिले, जो सटीक और सही परिणाम प्राप्त करने के लिए बहुत

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

आवश्यक था। अन्वेषक ने छात्रों का विश्वास जीतने के लिए उनके प्रति एक विश्वास उपाय अपनाया। अन्वेषक ने निर्देशों को ध्यान से पढ़ा और यदि निर्देशों को समझने में कोई कठिनाई हो तो छात्रों से परामर्श करने के लिए कहा।

सांख्यिकीय तकनीकें

शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकीय तकनीकों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। मापने के उपकरण द्वारा एकत्र किया गया डेटा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि ये तकनीकें डेटा का विश्लेषण करने में मदद करती हैं और परीक्षण करने के बाद ही हम परिकल्पना कर पाते हैं। वर्तमान अध्ययन में डेटा–विश्लेषण के लिए मीन, एसडी, टी–टेस्ट और सहसंबंध तकनीकों का उपयोग किया गया था।

मुख्य खोज

- सरकारी और निजी स्कूल के छात्रों के बीच शैक्षिक आकांक्षा में औसत अंतर के महत्व का परीक्षण करने के लिए टी–वैल्यू 1.86 निकला, जो 0.05 और 0.01 के महत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है, जिसका अर्थ है सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है.

- लिंग के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में कोई महत्वपूर्ण लिंग अंतर नहीं है, क्योंकि टी–वैल्यू 1.12 निकला, जो 0.05 और 0.01 के महत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है।

- वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि आर का मान 0.68 है और इसलिए लगभग 0.7 है अध्ययनरत माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं और शैक्षणिक अंकों के बीच एक मध्यम डिग्री सकारात्मक सहसंबंध मौजूद है।

शैक्षिक निहितार्थ

- स्कूल शिक्षक को प्रदर्शन बढ़ाने के लिए उच्च शैक्षिक आकांक्षा और शैक्षणिक उपलब्धि वाले छात्रों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

- शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के लिए स्कूल के शिक्षकों को विशेष रूप से शैक्षिक आकांक्षा के संबंध में छात्रों की विशेषताओं का ध्यान रखना चाहिए।

- परिणामों से यह देखा गया है कि कम शैक्षिक आकांक्षाओं वाले छात्रों के शैक्षणिक अंक कम हैं। किशोरों की शैक्षिक आकांक्षा को बढ़ाने के लिए, शिक्षकों को उपयुक्त रणनीतियों का उपयोग करके किशोरों की आकांक्षाओं के स्तर को बढ़ाने पर उचित ध्यान देना चाहिए।

आगे के अध्ययन के लिए सुझाव

आगे के अध्ययन के संचालन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं

- वर्तमान अध्ययन में केवल 200 स्कूली छात्र, जिनमें 100 सरकारी छात्र शामिल हैं। स्कूली छात्रों और 100 निजी स्कूलों के छात्रों को लिया गया है। इसी तरह का अध्ययन विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से चुने गए बड़े नमूनों के साथ किया जा सकता है।

- शैक्षिक आकांक्षा को सामाजिक–आर्थिक स्थिति, समायोजन, व्यक्तित्व, रुचि, अध्ययन की आदतों आदि से जोड़ा जा सकता है।

- शिक्षा के विभिन्न चरणों को ध्यान में रखते हुए एक अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूचि

- राव डी. भास्कर, हनुमंत के. (2002)एजुकेशनल एस्पिरेशंस ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स, एडुट्रैक्स, वॉल्यूम–11, नंबर–12, नील कमल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड नई दिल्ली, (39–40)।
- सिंह वाई. जी (2011), माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम। – तृतीय (35–36).
- वेद प्रकाश (1994), विज्ञान और कला के छात्रों के बीच उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं में अंतर की जांच करने के लिए एक अध्ययन, शैक्षिक अनुसंधान खंड–द्वितीय (492) का पांचवां सर्वेक्षण।
- बेस्ट, जॉन डब्ल्यू. (1988). रिसर्चचिनएजुकेशन. प्रेंटिसहॉल इंक, एंगलवुडएन.जे.

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

- ब्रेव, के.(2003) पेशेवर और गैर–पेशेवर कॉलेज के छात्रों के व्यक्तित्व, आत्म–सम्मान और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में तनाव पर एक अध्ययन। एक अप्रकाशित डॉक्टरेट शोध प्रबंध, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़।
- डैश, एम.(2000).एजुकेशनइनइंडिया.नई दिल्ली:अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
- गैरेट, हेनरी ई. (2007). स्टैटिस्टिक्स इन साइकोलॉजी एंड एजुकेशन. नई दिल्ली: पैरागॉनइंटरनेशनल पब्लिशर्स. ज्योत्सना, यू. काव्या. (2013)। किशोरों पर शैक्षणिक तनाव। जयपुर आदि प्रकाशन।
- कविता, के. (2014)। माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक तनाव, आत्म–प्रभावकारिता और स्कूल के माहौल के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि। एक अप्रकाशित डॉक्टरेट शोध प्रबंध, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
- कोठारी, सी.(2013)। अनुसंधान क्रियाविधि। मुंबई: न्यू एज इंटरनेशनल (पी) लिमिटेड. कूल, एल.(2013). मेथडोलॉजी ऑफ एजुकेशनल रिसेच. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।
- पसरीचा, ए. (2015) किशोरों की अध्ययन की आदतें, व्यक्तित्व और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में शैक्षणिक तनाव और आत्म–प्रभावकारिता का अध्ययन। एक अप्रकाशित डॉक्टरेट शोध प्रबंध, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।
- सिंह, शैलेन्द्र। (1990)। कार्यकारी अंडरस्ट्रेस। नई दिल्ली: क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी।
- कल्लूरी दुर्गा रानी, डी.भास्कर राव (2000), शैक्षिक आकांक्षाएं और वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नई दिल्ली डिस्कवरी पब। घर।
- कौर परविंदरजीत (2012), उनकी बुद्धिमत्ता के संबंध में किशोरों की शैक्षिक आकांक्षा, अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक ई–जर्नल, खंड–1(37–42)।
- हसन डी. राव, अप्पा ए.वी. (1998), 10वीं कक्षा के छात्रों की अध्ययन आदतों, सामाजिक–आर्थिक स्थिति और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध, एडुट्रैक्स, खंड–11, संख्या–12, नई दिल्ली नील कमल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
- अहलावत मुकेश (2008), उनके शैक्षणिक तनाव और आत्म अवधारणा के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि, शैक्षिक अनुसंधान खंड–आठवीं (25–27)।
- चंद्रा श्री, सी.एन. दफ्तौर, और अंजुली (1994), अध्ययन एक सामाजिक–मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य से हरिजन छात्रों की आकांक्षा के स्तर की जांच करता है, शैक्षिक अनुसंधान खंड–द्वितीय (493) का छठा सर्वेक्षण।

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

- गुप्ता, हीनू (1992), नियंत्रण के फोकस, चिंता, आकांक्षा के स्तर और माध्यमिक छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन, शैक्षिक अनुसंधान खंड–द्वितीय (470) का पांचवां सर्वेक्षण।च

Author's Declaration

I as an author of the above research paper/article, hereby, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patentor anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website/amendments/updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct I shall always be legally responsible. With my whole responsibility legally and formally I have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there is no unaccepted plagiarism and the entire content is genuinely mine. If any issue arise related to Plagiarism/Guide Name / Educational Qualification/ Designation/Address of my university/college/institution/Structure or Formatting/ Resubmission / Submission /Copyright / Patent/Submission for any higher degree or Job/ Primary Data/Secondary Data Issues. I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the data base due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formalresponsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Aadhar/Driving License/Any Identity Proof and Address Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper may be rejected or removed from the website anytime and may not be consider for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper may be removed from the website or the watermark of remark/actuality may be mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me

लता कुमारी, प्रोफ.
(डॉ.) आर. के. एस अरोडा

******